

चंदन है इस देश की माटी

चंदन है इस देश की माटी तपोभूमि हर ग्राम है
हर बाला देवी की प्रतिमा बच्चा बच्चा राम है ॥ ध्रु ॥

हर शरीर मंदिर सा पावन हर मानव उपकारी है
जहाँ सिंह बन गये खिलौने, गाय जहाँ माँ प्यारी है
जहाँ सवेरा शंख बजाता लोरी गाती शाम है ॥ 1 ॥

जहाँ कर्म से भाग्य बदलता श्रम निष्ठा कल्याणी है
त्याग और तप की गाथाएँ गाती कवि की वाणी है
ज्ञान जहाँ का गंगाजल सा निर्मल है अविराम है ॥ 2 ॥

जिस के सैनिक समरभूमि में गाया करते गीता है
जहाँ खेत में हल के नीचे खेला करती सीता है
जीवन का आदर्श जहाँ पर परमेश्वर का धाम है ॥ 3 ॥

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1355/title/chandan-hai-is-desh-ki-mati-tapobhumi-har-graam-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |